"माइकल ओकशॉट" (1901 - 1990)

अध्ययन सामग्री निर्माण

डा शकील हुसैन

shakeelvns27@gmail.com

विभागाध्यक्ष

राजनीति विज्ञान

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय।

दुर्ग , छत्तीसगढ़।

नैक द्वारा A+ मूल्यांकित

पुस्तकें

1- राजनीति और अन्य निबंधों में तर्कवाद -1962

2- मानव आचरण पर। 1975

3- अनुभव और उसके तरीके - 1933

4- हॉब्स ऑन सिविल एसोसिएशन - 1975

नागरिक साहचर्य

दर्शन विचारधारा एवंस्वतंत्रता

DR. SHAKEEL HUSAIN

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE

माइकल आकशाट को राजनीतिक दर्शन का उन्नायक माना जाता है। उसने 'तर्क बुद्धिवाद" और प्रत्यक्षवाद की कठोर "आलोचना की और ब्रिटिश रुढीवाद कि पुर्नस्थापना की। Michael CakeShatt एडमंड बर्क की परम्परा का दार्शनिक है। किन्तु वह बर्क जितना पुराण पंथी नही है।उसने नागरिक साहचर्य के आधार पर थामस हाब्स के दर्शन को पुर्नजीवित किया, और अनुबंधवाद की पुर्नस्थापना की ।

नागरिक साहचर्य

Michael Oakeshott ने Hobbes के दर्शन को नागरिक साहचर्य के रूप में देखा है। लेकिन नागरिक साहचर्य से हाब्स ने जो नतीजे निकाले वह उससे असहमत है। हाब्स के अनुसार साहचर्य सामाजिक समझौते का आधार है। लेकिन आकशाट सामाजिक अनुबंध से सहमत नहीं है। क्योंकि उसके अनुसार नागरिक माहचार्य या सामाजिक का कोई निश्चित लक्ष्य नहीं होता बल्कि यह नागरिक अन्तः क्रिया से अनवरत चलता रहता है ।
आकशाट के अनुसार नागरिक साहचर्य दो प्रकार के Oakeshott होता है
1) उद्यममूलक साहचार्य 2) नैतिक साहचार्य

1) उधम मूलक, साहचर्य आर्थिक गतिविधियों से सम्बन्धित और इसका एक निश्चित उद्देश्य होता जबकि नागरिक साहचार्य किसी निश्चित उद्देश्य पर आधारित नहीं है।
2- नैतिक साहचर्य - आकशाट के अनुसार यही असली नागरिक साचार्य है इसका कोई निश्चित उद्देश्य नही होता । इसमे प्रथाओं कि महत्वपूर्ण भूमिका होती है ब्रिटिश संविधान इसीलिए श्रेष्ठ है क्योंकि यह परम्पराओ पर आधारित है।
यूरोप की औद्योगिक क्रान्ति उद्यममूलक साहचर्य और लोकतंत्र नैतिक साहचर्य का परिणाम है। ब्रिटेन मे लोकतंत्र इसी साहचर्य से उत्पन्न विकसित हुआ है। इसलिए ब्रिटिश संविधान परम्पराओ पर आधारित है। क्योंकि परम्पराएं परस्परिक अन्तः क्रिया परिणाम होती है , जो धीरे धीरे घटित होती है । इसमे नागरिक साहचर्य की असली शक्ति होती है। इसलिए शासन प्रणाली में, परम्पराओं की महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए।

नागरिक साहचर्य और राजनीतिक गतिविधि :- राजनीतिक गतिविधि, राजनीतिक प्रणाली तथा राज्य एवं व्यक्ति के सम्बंधों को नियमित करती है। जबकि नागरिक साहचर्य अपेक्षाकृत व्यापक है। और इससे राजनीतिक गतिविधि उत्पन्न होती है।

उद्यम मूलक एवं नैतिक साहचर्य में संघर्ष :-
आकशाट के अनुसार इन दोनो में अर्थात राजनीतिक आर्थिक गतिविधि में सदैव अन्तः क्रिया एवं संघर्ष चलता रहता है। और राजनीतिक विचारधाराए जैसे पूँजीवाद मार्क्सवाद वामपंथ, दक्षिणपंथ समाजवाद आदि इसी से पैदा होते है। जबकी एक लोकतांत्रिक प्रणाली मे नागरिक साहचर्य मे सामंजस्य बना रहता है ।

DR. SHAKEEL HUSAIN
DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE

स्वतंत्रता

Michael Cakeshott का स्वतंत्रता सम्बन्धी विचार उसके जनपुंज समाज एवं "अलोकतांत्रिक शासनकी आलोचना पर आधारित है। आकशाट के अनुसार स्वतंत्रता कोई अभीष्ट वस्तु नही जिसे प्राप्त किया जाना चाहिए है। बल्कि एक मानवीय स्थिति है। जो नागरिक साहचर्य से उत्पन्न होती है। इसे अलोकतांत्रिक विचारधाराओ और सर्वधिकारवादी शासनो (सरकारो) से खतरा है। जिसमे सत्ता का सकंद्रेण होता है।

दर्शन, विचारधारा एवं स्वतंत्रता :-

आकशाट के अनुसार दर्शन वास्तव में चिन्तन का तरीका है। जब हम दर्शन आधार पर किसी "ज्ञान प्रणाली " का निर्माण कर उसे स्थापित करते है तब वह विचारधारा बन जाती है । लेकिन वस्तुतः विचारधाराएं स्वतंत्रता की दुश्मन होती है। क्योकि ज्ञान प्रणाली अर्थात विचारधराओ का निर्माण किसी खास देशकाल परिस्थितियों में होता है। जबकि उसे हम समस्त देशकाल परिस्थितिओ में लागू करना चाहते है । इससे स्वतंत्रता का नाश होता है।

शासन के प्रकार एवं स्वतंत्रता :

Oakeshalt होता हैं।. शासन दो प्रकार का
होता है ।
1- लोकतांत्रिक शासन
2- लोकप्रिय शासन

लोकतांत्रिक शासन :-
यह परम्पराओं और नागरिक साहचर्य से पैदा स्वतंत्रता पर आधारित होता है। इसलिए यही सच्ची शासन प्रणाली है ब्रिटिश शासन व्यवस्था स्वतंत्रता सुरक्षित रह सकती है

लोकप्रिय शासन : -
इसमे लोकतंत्र नही बल्कि चुनाव तंत्र पैदा होता है । जो नागरिक समाज की बजाए **भीड़ समाज पैदा** करता है ।

भीड़ समाज और स्वतंत्रता

आकशाट के अनुसार इसमे वयस्क मताधिकार के आधार पर सत्ता का निर्माण होता है। इसमे लोग संचार साधनो और सरकारी तंत्र द्वारा किसी खास दिशा में अपनी पंसद नापसंद तय करने के लिए बाध्य किये जाते हैं। अतः मताधिकार गुण अवगुण पर नहीं बल्कि भवनात्मक मुद्दो और नारो आंदोलनो के द्वारा प्रभावित होता है। इससे नागरिक साहचर्य व्यक्तिगत से सामूहिक हो जाता है, और
यह स्थिति स्वतंत्रता के लिए खतरनाक होती है ।

DR. SHAKEEL HUSAIN
DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE

मूल्यांकन :

आकशाट के अनुसार स्वतंत्रता एक सहज उपलब्ध स्थिति है लेकिन इसकी उपलब्धता बाह्य परिस्थितियो आधारित है । दूसरे शब्दो मे वह प्राकृतिक स्वतंत्रता में विश्वास करता है। जिसे राजतन्त्र, सर्वधिकारवाद से खतरा है जो बुरी बाह्य परिस्थितियां है । स्वतंत्रता नागरिक साहचर्य से उत्पन्न लोकतांत्रिक शासन प्रणाली जैसी उत्तम बाह्य परिस्थितियो पर आधारित है ।

गृह कार्य

1- आकशाट के नागरिक साहचर्य सम्बन्धी विचारों की समीक्षा कीजिए ।

2- स्वतंत्रता पर आकशाट के विचार बताइए ।

संदर्भ

https://ndpr.nd.edu/reviews/the-philosophy-of-michael-oakeshott/

https://www.jstor.org/stable/193540

Feed Back link
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdRpNmu6PZ-AMoLrMvODCDwa6-tG3nPDU_Lk-VyjnKKhmfErw/viewform

DR. SHAKEEL HUSAIN
DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE